उपभोक्ताओं से बीएसईएस की अपील–
बिजली लोड बढ़वाएं, निर्बाध आपूर्ति पाएं

नई दिल्लीः 7 फरवरी, 2011। कई उपभोक्ता अपने तय यानी सैंक्शंड लोड से बहुत ज्यादा बिजली खींच रहे हैं। इससे बीएसईएस के बिजली सिस्टम व उपकरणों पर भारी दबाव बन रहा है और उनमें अचानाक खराबी आ सकती है। जाहिर है, ऐसी स्थिति में उपभोक्ताओं को बिजली किल्लत का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा, बिजली चोरी की वजह से भी निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने में दिक्कत आ सकती है।

बड़ी संख्या में ऐसे उपभोक्ता हैं, जिन्होंने 20–25 साल पहले आधा या एक किलोवॉट का बिजली कनेक्शन लिया था। कई उपभोक्ताआ तो ऐसे हैं, जिनके पास .25 (पॉइंट 25) किलोवॉट का कनेक्शन है। इस दौरान ज्यादातर उपभोक्ताओं ने एसी, फ्रिज, टीवी, गीजर, कूलर आदि खरीद लिए, जिससे पहले के मुकाबले उनकी बिजली खपत कई गुणा बढ़ गई। लेकिन उन्होंने अपना तय (सैंक्शंड) लोड नहीं बढ़वाया। इससे बिजली कंपनियों के सिस्टम में खराबी आ रही है। चूंकि गर्मियों में एयर कंडीशनर, कूलर, फ्रिज आदि चलने की वजह से अनाधिकृत लोड काफी बढ़ जाएगी, ऐसे में डिस्कॉम्स के उपकरणों पर अत्यधिक दबाव बड़ेगा। इस दवाब से सिस्टम व उपकरणों में अचानक खराबी आ सकती है और उपभोक्ताओं को बिजली कटौती झेलनी पड़ सकती है।

बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने उपभोक्ताओं से अपील है कि वे अपना तय यानी सैंक्शंड लोड बढ़वाएं। यह उन्हें निर्बाध व विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक, जब भी उपभोक्ता कोई नया इलेक्ट्रिक सामान खरीदते हैं, तो उन्हें अपना तय लोड भी जरूर बढ़वाना चाहिए। अन्यथा, बीएसईएस द्वारा अपने सिस्टम के विस्तार, उसकी मजबूती व आधुनिकीकरण के लिए किए गए तमाम प्रयासों पर पानी फिर जाता है। उल्लेखनीय है कि उपभोक्ताओं द्वारा घोषित तय लोड को ध्यान में रखकर ही बिजली सिसटम को डिजाइन किया जाता है। उपभोक्ताओं को यह जानकर खुशी होगी कि बीएसईएस ने पिछले आठ सालों के दौरान अपने नेटवर्क को बड़ा, विश्वसनीय, मजबूत, और आधुनिक बनाने पर 4500 करोड़ रूपये खर्च किए हैं।

उल्लेखनीय है कि कई ऐसे इलाके हैं, जहां वितरण ट्रांसफॉर्मरों पर अनाधिकृत बिजली लोड 80 से 100 प्रतिशत तक बढ़ गया है। *बीआरपीएल में अत्यधिक ओवरलोड वाले इलाके हैं* – मटियाला गांव (द्वारका), डाबड़ी व पालम गांव, तिलक नगर डबल स्टोरी, रनहोला (मुंडका), स्वर्ण पार्क (मुंडका), संगम विहार (खानपुर), कापसहेड़ा गांव (वसंतकुंज) और सराय काले खां (निजामुद्दीन)। *बीवाईपीएल में अत्यधिक ओवरलोड वाले क्षेत्र हैं* – मयूर विहार में त्रिलोकपुरी ब्लॉक 2, 7, 11, 12, 19 व ब्लॉक 23, लक्ष्मी नगर में साउथ गणेश नगर व वेस्ट विनोद नगर, विश्वास नगर, दिलशाद गार्डन, फ्रेंड्स कॉलोनी गली नंबर 1, व गली नंबर 3, नबी करीम, तिकोना पार्क आनंद परबत, नेहरू विहार, जयप्रकाश नंबर 2, जनता कॉलोनी, जाफराबाद व अन्य।

बीएसईएस उपभोक्ता घर बैठे अपना सैंक्शंड (तय) लोड बढ़वा सकते हैं। वे 39999808 (बीवाईपीएल) और 39999707 (बीआरपीएल) पर फोन करके, कंपनी के डोर स्टेप सर्विस का लाभ उठा सकते हैं। लोड बढ़वाने के लिए डीईआरसी के नियमों के तहत, घरेलू उपभोक्ता को 600 रूपये और व्यावसायिक उपभोक्ता को 1500 रूपये प्रति किलोवॉट के हिसाब से रकम जमा करवानी होगी। यह सिक्युरिटी डिपॉजिट है, जिसे बिजली कनेक्शन खत्म करते समय उपभोक्ता, कंपनी से वापस ले सकते हैं। इस रकम पर ब्याज भी दिया जाता है। कुछ मामलों में यदि सर्विस लाइन फिर से लगाने की जरूरत पड़ती है, तो इसके लिए डीईआरसी के नियमों के हिसाब से अलग से रकम ली जाती है।

बीएसईएस ने अपने उपभोक्ताओं से बिजली चोरी के खिलाफ चल रहे अभियान में भी सहयोग की अपील की है। अपना नाम गुप्त रखते हुए भी उपभोक्ता बिजली चोरी की सूचना दे सकते हैं। बस उन्हें 39999707 (बीआरपीएल) और 39999808 (बीवाईपीएल) पर फोर करना होगा। बिजली चोरी में कमी आने से आपके इलाके की बिजली आपूर्ति में भी सुधार आएगा। याद रखें, बिजली आपूर्ति गड़बड़ाने में बिजली चोरी की भी अहम भूमिका है।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 3999415 / 9350130304